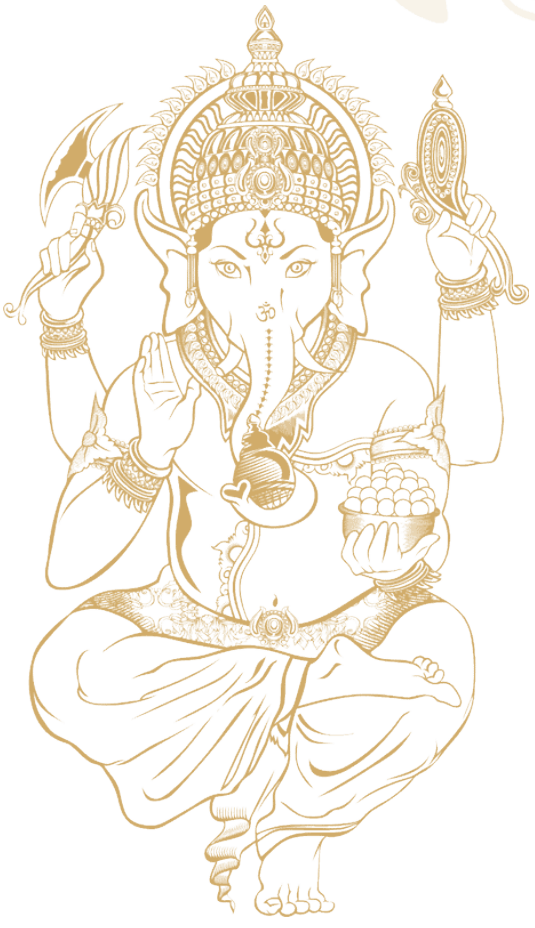

Harsh

Mansi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121523502

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
19/08/1998	जन्म तिथि	27/09/1999
बुधवार	दिन	सोमवार
घंटे 22:06:00	जन्म समय	11:45:00 घंटे
घटी 40:34:21	जन्म समय(घटी)	13:53:01 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:52:15	सूर्योदय	06:11:47
18:56:49	सूर्यास्त	18:12:25
23:50:09	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:58

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 17वर्ष 7मा 9दि	09:26:47	मेष	लग्न	वृश्चि	20:53:35	केतु 4वर्ष 10मा 28दि
बुध	02:39:23	सिंह	सूर्य	कन्या	09:51:09	सूर्य
30/03/2016	04:18:31	कर्क	चंद्र	मेष	03:58:44	25/08/2024
30/03/2033	05:26:50	कर्क	मंगल	वृश्चि	22:12:31	25/08/2030
बुध 26/08/2018	23:12:58	कर्क व	बुध	कन्या	24:02:04	सूर्य 12/12/2024
केतु 23/08/2019	02:32:42	मीन व	गुरु व	मेष	09:22:05	चन्द्र 13/06/2025
शुक्र 23/06/2022	13:52:19	कर्क	शुक्र	कर्क	29:30:20	मंगल 19/10/2025
सूर्य 30/04/2023	09:46:45	मेष व	शनि व	मेष	22:38:30	राहु 13/09/2026
चन्द्र 28/09/2024	07:37:35	सिंह व	राहु व	कर्क	17:49:12	गुरु 02/07/2027
मंगल 25/09/2025	07:37:35	कुंभ व	केतु व	मक	17:49:12	शनि 13/06/2028
राहु 14/04/2028	16:17:17	मक व	हर्ष व	मक	19:17:17	बुध 19/04/2029
गुरु 21/07/2030	06:14:26	मक व	नेप व	मक	07:48:56	केतु 25/08/2029
शनि 30/03/2033	11:27:48	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	14:18:28	शुक्र 25/08/2030

लग्न-चलित

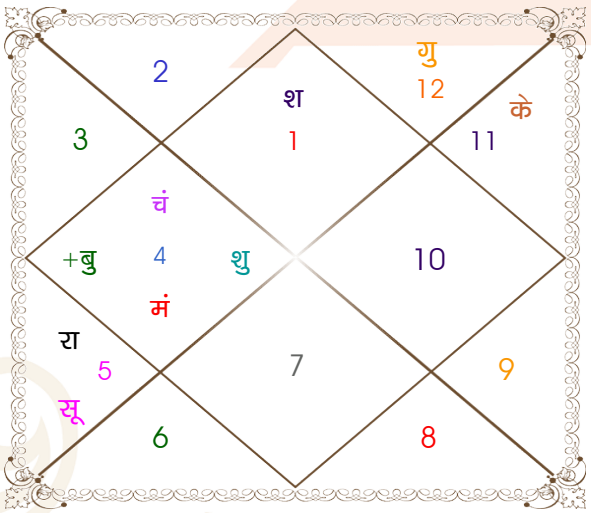

लग्न-चलित

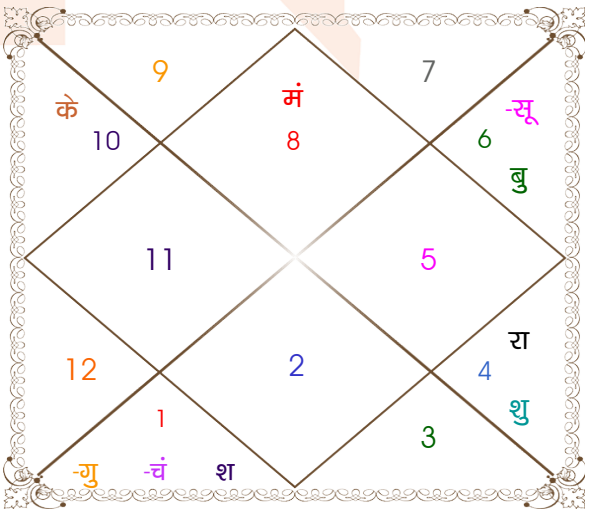

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	अश्व	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	मंगल	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	31.50		

Harsh का वर्ग मेष है तथा Mansi का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Harsh और Mansi का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Harsh मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल Harsh कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Harsh कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Harsh कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Mansi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mansi कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mansi कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Harsh कि कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Harsh तथा Mansi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।